Date - 26-05-2020

Dr. Sanehlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's college, Samastipur
Email Id. - Snehababli1987@gmail.com
Cont. no. - 8409587640

Class - B.A. - II (Hons.)

Topic - Symbolic logic : Uses of Negation.

Scanned with CamScanner

निषेध (~)

किसी प्रकथन का निषेध (व्याघात या अस्वीकृति) हिन्दी में मूल प्रकथन में 'नहीं' शब्द को जोड़कर किया जाता है। अर्थात किसी प्रकथन का निषेध हिन्दी में उस प्रकथन के पूर्व निम्नलिखित पदावली को रखकर किया जा सकता है "यह असत्य है कि" या "यह बात नहीं है कि"। किसी प्रकथन के निषेध को '~' संकेत के द्वारा व्यक्त किया जाता है। '~' प्रतीक को तर्कशास्त्र में 'भंगिमा या भंग' कहा जाता है।

इस प्रकार यदि "सभी राजनीतिज्ञ चोर हैं।" को प्रतीक 'm' के द्वारा व्यक्त किया जाए, तो 'सभी राजनीतिज्ञ चोर नहीं हैं।" 'कुछ राजनीतिज्ञ चोर नहीं हैं।" यह असत्य है कि "सभी राजनीतिज्ञ चोर हैं।" आदि विविध प्रकथनों को प्रकथन ~M के द्वारा व्यक्त किया जाएगा। इसी प्रकार, सामान्यतः यदि 'P' कोई भी प्रकथन है, तो उसे निषेध '~P' के द्वारा व्यक्त किया जाएगा। अतः स्पष्ट है कि 'भंग' एक सत्यता फलन कारक योजक है। किसी सत्य प्रकथन का निषेध 'असत्य' होता है और किसी असत्य प्रकथन का निषेध 'सत्य' होता है।

इस तथ्य को सत्यता सारणी के द्वारा निम्नलिखित रूप से सरलतापूर्वक व्यक्त किया जा सकता है

P	~P
T	F
F	T

Scanned with CamScanner

उपरोक्त सत्यता-सारणी से स्पष्ट है कि यदि 'p' का सत्यता फलन सत्य है, तो उसके निषेध '~p' का सत्यता फलन असत्य होगा और यदि 'p' का सत्यता फलन असत्य है, तो उसके निषेध ~p का सत्यता फलन सत्य होगा। उपरोक्त ~~सारणी~~ सत्यता-सारणी को तर्कशास्त्र में निषेध प्रतीक '~' की परिभाषा ~~माना~~ माना जाता है।

Scanned with CamScanner